

29 जून, 2025
गुरुवार, शुक्रवार, तृतीया
संवत् 2082
पूर्व : 12, ग्रूप : ₹3.00

* ओडिशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

वित्त आयोग के सामने
राज्य के विकास का
रोडमैप रखें : हेमत

रांची

गुरुवार, वर्ष 10, अंक 218

आजाद सिपाही



Sarala Birla University



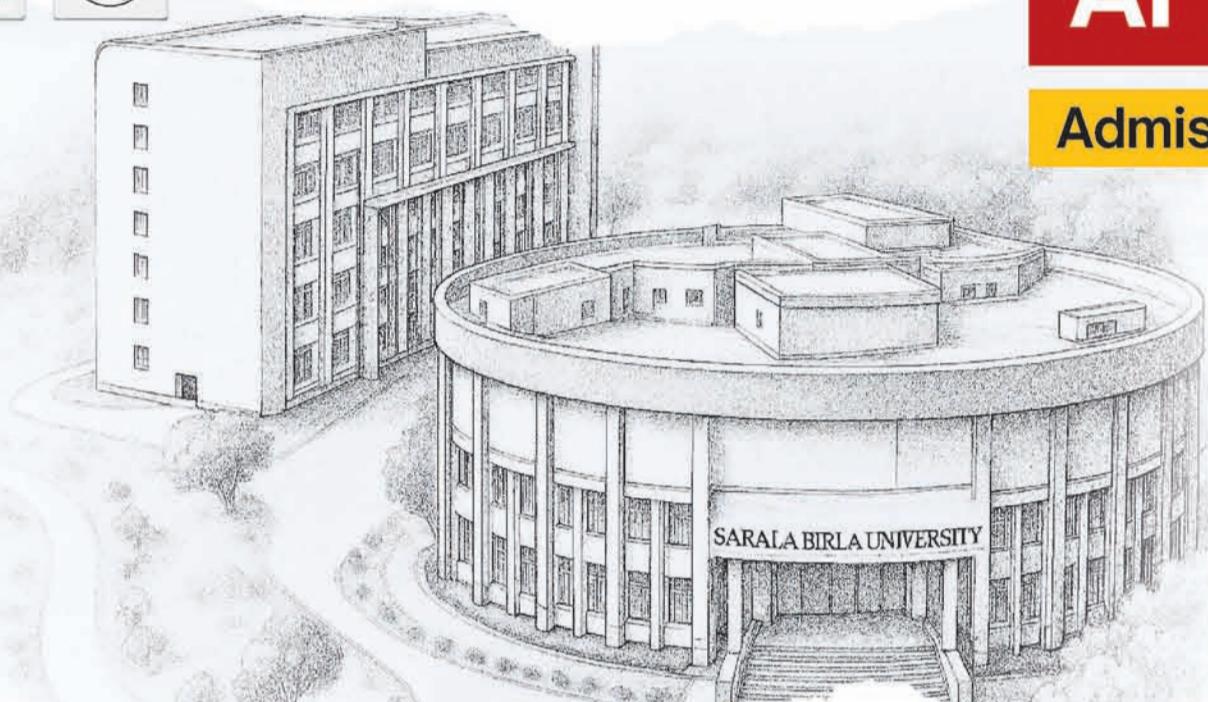
Supported By



& 20+
National MoUs

APPLY NOW

Admissions Open 25 - 26



CREATING GLOBAL LEADERS
For Social & Economic Change...!

Programs Offered

● ENGINEERING & COMPUTER SCIENCE

Diploma • B.Tech • M.Tech

Specialization - CSE • ME • CE • EEE • ECE • Electronics & Computer Engineering

BCA • MCA

● BUSINESS MANAGEMENT

BBA • BBA in Stock broking & Portfolio Management
MBA

● HUMANITIES AND LINGUISTICS

BA • MA

Specialization - English • Sanskrit

● COMMERCE

B.com

Specialization- Accounts • E- Commerce • Taxation
M.com

● LEGAL STUDIES

BA LLB • BBA LLB • B.Com LLB • LLB • LLM

● JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

BA • MA

● YOGIC SCIENCE AND NATUROPATHY

Diploma • B.Sc • M. Sc

● APPLIED SCIENCES

B.Sc Mathematics • M. Sc Data Science

● SOCIAL SCIENCES

BA • MA

Specialization - Economics

● ART, CULTURE & SPORTS

BA • MA

Specialization - Music • Dance • Drama • Fine Arts

● PHARMACY

D.Pharma • B.Pharma

● NURSING, CLINICAL TECHNOLOGY & PUBLIC HEALTH

ANM • GNM • B.Sc. Nursing

Admission Helpline

1800 890 6077

5000+
Students

65+
Programs

In Campus Hostel
For Boys & Girls

Upto 50% Scholarship
Under Merit/Sports Quota

60 Acres
World Class Infrastructure

100%
Placement Support

50+
Skill Enhancement Certificates

100+
Companies visited for Placement

Scan Here to Register

SARALA BIRLA UNIVERSITY

Birla Knowledge City, PO. Mahilong, Purulia Road, Ranchi, Jharkhand,
India - 835103

1800 890 6077 / +91 95251 10001

admissions@sbu.ac.in

www.sbu.ac.in





इस बार राष्ट्रवाद का रंग खिलेगा बिहार के चुनावी मैदान में

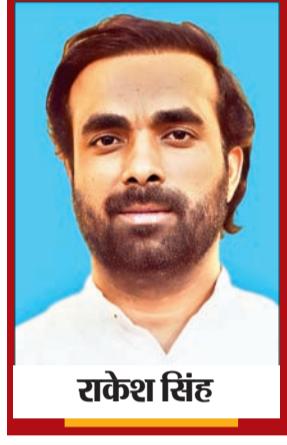
- भाजपा और नीतीश के लिए 'आपरेशन सिंदूर' ने बनाया अनुकूल माहौल
- पहली बार जाति के आधार पर राजनीति की बात नहीं हो रही है बिहार में
- एनडीए ने सीट शेयरिंग को दिया अंतिम रूप, पर इंडी अलायंस में उलझन

दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ानेवाली भूमि के रूप में चर्चित बिहार की सियासत आम तौर पर दूसरे राज्यों से अलग होती रही है। बिहार में अब तक जातिगत मुद्दे और समीकरण ही विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय करते रहे हैं। इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है और इसके लिए जमीन तैयार हो रही है। चुनावी मुद्दों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इस बार पहली बार बिहार में जाति के आधार पर राजनीति की बात नहीं हो रही है, बल्कि राष्ट्रवाद,

ऑपरेशन सिंदूर और देशहित की बातें हो रही हैं। जाहिर है कि इस बदले राजनीतिक माहौल का लाभ एनडीए, यानी भाजपा-जदयू को मिलेगा, जो राज्य की सत्ता में है। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में अपनी सार्वजनिक रैली कर चुके हैं और एक बार फिर 29-30 मई अब तक इस मुद्दे को लेकर बातचीत भी शुरू नहीं हुई है। बिहार के

को बिहार आ रहे हैं। उनकी यात्राओं से अनुकूल माहौल बना है। इसी माहौल की पृष्ठभूमि में यह भी महत्वपूर्ण है कि एनडीए ने राज्य में सीट शेयरिंग को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि विपक्षी इंडी अलायंस में अब तक इस मुद्दे को लेकर बातचीत भी शुरू नहीं हुई है। बिहार के

इस दिलचस्प चुनावी परिदृश्य में एक और बात नोट करने लायक है और वह है सर्वेक्षण एनडीए की रिपोर्ट। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बिहार में किये गये तमाम सर्वेक्षण इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि इस बार राज्य में राष्ट्रवाद की फसल खूब लहलहायी और पहली बार बिहार में जाति के आधार पर बोट शायद नहीं पड़ेगा। जाहिर है, यह निष्कर्ष एनडीए के पक्ष में ही जाता दिखाई दे रहा है। यह है बिहार का चुनावी परिदृश्य और क्या हैं संभावनाएं, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगठनाता सकेश सिंह।



राकेश सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की गहरायी मुरीद हो चुकी है और इस बार 'ऑपरेशन सिंदूर' ने राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। इन सबके बारे बिहार के मौजूदा राजनीतिक परिवर्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने खड़ी चुनौतियों का विश्लेषण करने पर यही पता चलता है कि बिहार का माहौल तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। बिहार की राजनीति आम तौर पर जातीय गोलबदी और समीकरणों में बंधी रही है। लेकिन इस साल के अंत में होनेवाले विधानसभा चुनावों का माहौल पिछले चुनावों से पूरी तरह अलग नजर आ रहा है। बिहार में इस बार जाति की बात नहीं हो रही है और न ऐसे मुद्दे ही समाने आ रहे हैं। इनसे स्थान पर ऑपरेशन सिंदूर, राष्ट्रवाद, देशहित और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर लोग बात कर रहे हैं।

भाजपा के लिए सुनहरा अवसर

भाजपा के लिए 2025 का चुनाव बिहार में अपने मुख्यमंत्री को लाने का सुनहरा अवसर है। 2020 में चिराग पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के जरिये नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) की सीटों को कम करने में अहम भूमिका निभायी थी। भाजपा अब चाहती है कि प्रशंसन विशेषर की बाजी पार्टी जन सुराज भी ऐसा ही कुछ करे, जिससे नीतीश की स्थिति कमज़ोर हो और भाजपा को फायदा मिले।

नीतीश के सामने कई चुनौतियां

नीतीश कुमार, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं, इस बार कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर से पहले ही एनडीए को बिहार में बढ़त थी।



सर्वेक्षणों में एनडीए को 48.23% समर्थन प्राप्त था। अनुसूचित जाति में भी एनडीए को 48.23% समर्थन

सर्वेक्षणों में एनडीए को बढ़ता

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बिहार में कराये गये सर्वेक्षणों में एनडीए को बढ़ता हासिल हुई है। विधान कंपनियों द्वारा कराये गये सर्वेक्षणों का संकेत है कि बिहार का

राजनीतिक माहौल इस बार बदला हुआ रह सकता है। पहली बार बिहार में जाति की बात नहीं हो रही है, जातीय समीकरण का प्रभाव कम नजर आ रहा है और देशहित की बात ज्यादा हो रही है। उनके सामने तेजस्वी यादव (35.5%) और प्रशांत किशोर (17.2%) हैं। नीतीश की बढ़ती लोकप्रियता के कारणों में उनकी सेवता, बाबा-बाबा गठबंधन बदलने से विश्वसनीयता में कमी और एनडीए द्वारा कराये गये सर्वेक्षणों का संकेत है कि बिहार का

सर्वेक्षणों के अनुसार, उनकी लोकप्रियता 18% से घटकर 15% हो गयी है और वह मुख्यमंत्री पद के लिए तीसरे पसंदीदा उम्मीदवार बन गये हैं। उनके सामने तेजस्वी यादव (35.5%) और प्रशांत किशोर (17.2%) हैं। नीतीश की बढ़ती लोकप्रियता के कारणों में उनकी सेवता, बाबा-बाबा गठबंधन बदलने से विश्वसनीयता में कमी और एनडीए द्वारा मुख्यमंत्री चेहरा घोषित न करना शामिल है।

तेजस्वी की लोकप्रियता भी घटी, कांग्रेस कमज़ोर कड़ी

बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव इस बार सबसे पसंदीदा मुख्यमंत्री उम्मीदवार हैं, हालांकि उनकी लोकप्रियता की कारणों में नेताओं की ओर बढ़ाकर वह भविष्य में नीतीश के विकल्प को भी ध्यान में रख रही है, हालांकि लोकसभा के दलीय संतुलन को देखते हुए वह सब नेतृत्व में है। तेजस्वी को आगामी चुनाव में जातीय समर्थन देते हुए बिहार में अपने कदम मजबूत कर रही है। ऐसे में यह बात भी ध्यान देने लायक है कि एनडीए ने सीट शेयरिंग को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि विपक्षी इंडी अलायंस के अंतिम समर्थन देते हुए बिहार का चुनावी माहौल को राष्ट्रवादी रंग दिया है, जिसका फायदा एनडीए, खासकर भाजपा, को मिल सकता है। हालांकि, नीतीश कुमार के लिए यह चुनाव आसान नहीं है। उनकी घटी लोकप्रियता, सेवत की चिंताएं और बाबा-बाबा गठबंधन बदलने की छिप उठेकर कर रही है। तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उनकी चुनौतियों को और बढ़ा रहे हैं, जबकि भाजपा एनडीए राजनीति के तहत नीतीश को समर्थन देते हुए बिहार में अपने कदम मजबूत कर रही है। ऐसे में यह बात भी ध्यान देने लायक है कि एनडीए ने सीट शेयरिंग को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि विपक्षी इंडी अलायंस अब तक इस तरफ कदम भी ध्यान देता है। यह चुनावी आसान नहीं है। उनकी घटी लोकप्रियता, सेवत की चिंताएं और बाबा-बाबा गठबंधन बदलने की छिप उठेकर कर रही है। तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उनकी चुनौतियों को और बढ़ा रहे हैं, जबकि भाजपा एनडीए राजनीति के तहत नीतीश को समर्थन देते हुए बिहार में अपने कदम मजबूत कर रही है। ऐसे में यह बात भी ध्यान देने लायक है कि एनडीए ने सीट शेयरिंग को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि विपक्षी इंडी अलायंस अब तक इस तरफ कदम भी ध्यान देता है। यह चुनावी आसान नहीं है। उनकी घटी लोकप्रियता, सेवत की चिंताएं और बाबा-बाबा गठबंधन बदलने की छिप उठेकर कर रही है। तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उनकी चुनौतियों को और बढ़ा रहे हैं, जबकि भाजपा एनडीए राजनीति के तहत नीतीश को समर्थन देते हुए बिहार में अपने कदम मजबूत कर रही है। ऐसे में यह बात भी ध्यान देने लायक है कि एनडीए ने सीट शेयरिंग को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि विपक्षी इंडी अलायंस अब तक इस तरफ कदम भी ध्यान देता है। यह चुनावी आसान नहीं है। उनकी घटी लोकप्रियता, सेवत की चिंताएं और बाबा-बाबा गठबंधन बदलने की छिप उठेकर कर रही है। तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उनकी चुनौतियों को और बढ़ा रहे हैं, जबकि भाजपा एनडीए राजनीति के तहत नीतीश को समर्थन देते हुए बिहार में अपने कदम मजबूत कर रही है। ऐसे में यह बात भी ध्यान देने लायक है कि एनडीए ने सीट शेयरिंग को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि विपक्षी इंडी अलायंस अब तक इस तरफ कदम भी ध्यान देता है। यह चुनावी आसान नहीं है। उनकी घटी लोकप्रियता, सेवत की चिंताएं और बाबा-बाबा गठबंधन बदलने की छिप उठेकर कर रही है। तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उनकी चुनौतियों को और बढ़ा रहे हैं, जबकि भाजपा एनडीए राजनीति के तहत नीतीश को समर्थन देते हुए बिहार में अपने कदम मजबूत कर रही है। ऐसे में यह बात भी ध्यान देने लायक है कि एनडीए ने सीट शेयरिंग को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि विपक्षी इंडी अलायंस अब तक इस तरफ कदम भी ध्यान देता है। यह चुनावी आसान नहीं है। उनकी घटी लोकप्रियता, सेवत की चिंताएं और बाबा-बाबा गठबंधन बदलने की छिप उठेकर कर रही है। तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उनकी चुनौतियों को और बढ़ा रहे हैं, जबकि भाजपा एनडीए राजनीति के तहत नीतीश को समर्थन देते हुए बिहार में अपने कदम मजबूत कर रही है। ऐसे में यह बात भी ध्यान देने लायक है कि ए

गुमला

चैनपुर-दानपुर सड़क बरसात में कीचड़ में तब्दील



चैनपुर (आजाद सिपाही)। चैनपुर मुख्यालय के चर्च रोड से दानपुर तक लगभग 1 किलोमीटर सड़क बरसात के कारण कीचड़ में तब्दील हो गयी है जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इस सड़क से सेकड़ों बच्चे प्रत्येक दिन पारिस रूक्ल और संत जीवर शिवांश मीडियम स्कूल जाते हैं। स्कूल के शिक्षकों ने कहा कि एक सप्ताह के बाद बच्चों का स्कूल भी खुल जायेगा इन दिनों लगातार बारिंग हो रही है अगर सड़क को ठीक नहीं किया गया तो बच्चों को भी स्कूल आने में परेशानी होगी। बरसात के कारण कीचड़ भरी सड़क पर मोटरसाइकिल और साइकिल चलाना जाखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस सड़क का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। जीव सदस्य मरी लकड़ा ने बताया कि सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। उन्होंने विभागीय जीनीजियर को फोन कर लोगों को हो रही परेशानी अवगत कराते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाकर चर्च रोड से स्कूल तक जो कीचड़ हो रही है उसे जल्द ठीक-ठाक करें। इसी सड़क से सेकड़ों लोगों का प्रत्येक दिन आवागमन होता है इन दिनों लगातार बारिंग हो रही है बारिंग के कारण सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जा रहा है।

माहवारी स्थल्ता दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम



गुमला (आजाद सिपाही)। स्वास्थ्य विभाग झारखंड तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के निर्देशनसुनार एवं सेंटर फॉर केटलाइजिंग चैंग (सी3) के तकनीकी सहयोग से गुमला जिले के विभिन्न प्रखंडों में माहवारी स्थल्ता दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों और युवाओं के बीच माहवारी के प्रति व्यापक भ्रातियों को दूर कर, स्वच्छता और स्वास्थ्य से संबंधित सही जानकारी प्रदान करना। उस स्वास्थ्य केंद्रों और अयुमान आरोग्य मिर्दों (हैल्प एंड वेलेनेस सेंटर्स) में प्रकार्यालय, विजय एवं जागरूकता सत्र आयोजित किये गये। स्वास्थ्य विभाग ने इस पर जागरूकता समियोंगों जैसे पोस्टर, बैनर आदि का भी उपयोग किया। इस अवसर पर एनएम, सहिया, सेविका एवं सेंटर फॉर केटलाइजिंग चैंग (सी3) टीम के सदस्यों ने किशोरियों के माहवारी के दौरान व्यक्तिगत स्थल्ता बनाये रखने, साफ सूखी कपड़े या सेनेरी नेपिकिन के उपयोग और उनके सुरक्षित निपटान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि इन उपायों से संक्रमण के खतरे को रोका जा सकता है। कार्यक्रम में किशोरों और नयुवकों की भागीदारी भी सराहनीय रही।

कांसीर में मासूम आंख के कैंसर से पीड़ित, परिजनों ने प्रशासन और स्थानीय लोगों से मदद की लगायी गुहार

गुमला (आजाद सिपाही)। रायबीरी प्रखंड के कांसीर गांव निवासी बसंत सिंह की 4 वर्षीय पुरी राधिका कुमारी आंख के कैंसर से जिदी सूत के बीच लड़ रही है। विगत 2 सालों से उसका इलाज चल रहा है। रांची के रिस्म में इलाज के बाद डॉक्टर ने अपने हाथ खड़ कर लिए गोले इसका इलाज यहाँ संपन्न नहीं है। इसे जसेशेदपुर या मुरुई ले जाकर इलाज कराना होगा। परिवर्त की शिथि उतनी अच्छी नहीं है कि वे लोग बड़े शहरों के प्राइवेट हॉस्पिटल में बच्ची का इलाज कर सकें। पिंड बसंत ने बताया कि वह गुमला तभी उसकी जान बच सकती है। 2 वर्षों तक पिता घर के मवेशियों के बेचकर और महिला मडल से ऋण लेकर बच्ची का इलाज कराया। लैंकिन अब वह आगे की इलाज कराने में असमर्थ है। मालौं की जानकारी के बाद गुमला के समाजसेवी अमित कुमार, मुख्यार आलम राधीड़ी के समाजसेवी अरुण कुमार पांडा उपायुक्त कर्म सत्यार्थी से मिले थे। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री गंगीरी बीमारी योजना के तहत 25 हजार के लिए अनुशंसा की। लैंकिन मुरुई आगे जाने के लिए और अन्य खर्च हेतु समाजसेवियों ने जिले के कई पदाधिकारी से संपर्क किया। सभी ने सहयोग का आश्वासन दिया है।



Mehta Hotel

- ⦿ MUTTON CHAWAL
- ⦿ CHICKEN CHAWAL
- ⦿ BIRYANI
- ⦿ VEG THALI
- ⦿ DRINK & BEVERAGES



Laxmi Tower, Near Maheshwari Hotel, Ranchi

9771477499

Welcome to Kids Second Home

Little Star KIDS PLAY SCHOOL

Teaching is our passion & your child is our priority

Session 2025-26

Age 1.8 Year To 5.5 Year Kids

Jr.K.G. ⇢ Sr.K.G.

Mob No.: 8252797609, 7903093833

Chunna Bhatha, Near Distillery Bridge H.B Road. Kokar Ranchi-834001

MEENA GENERAL HOSPITAL

(A Unit of Meena Hospital Pvt.Ltd.)



SPECIALTIES

- ⦿ Anesthesiology.
- ⦿ Critical Care.
- ⦿ Dental.
- ⦿ Internal Medicine.
- ⦿ Lab & Radiology.
- ⦿ Obstetrics & Gynecology.
- ⦿ Ophthalmology
- ⦿ Pediatrics & Neonatology.
- ⦿ Urology.
- ⦿ Orthopedics & Trauma.
- ⦿ Physiotherapy.

Ambulance Facilities

Ghujadhi, G.T.Road, Near Kulgo Toll Plaza, P.S.- Dumri, Giridih, (Jh.) 8969984705

